सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 343 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 21 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मैं इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि मैं कुछ चीजें नहीं बदल सकता।
-डॉ. अब्दुल कलाम

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में... 7 | बिहार में फिर निकला जातिगत... 3 | दिल्ली से लगे यूपी के जिलों के... 2

शपथ लेते ही ट्रंप के ऐलान से प्रधानमंत्री मोदी परेशान!

ब्रिक्स देशों को दी खुलेआम टैरिफ लगाने की धमकी

» पड़ोसी देशों को भी दिखाई आंख

» बाइडन के फैसलों को पलटा, दुनिया के कई देशों में कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति की शपथ ले ली। इसके बाद उन्होंने कई बड़ी घोषणाएं की। उनके कुछ बड़े ऐलानों से सिर्फ अमेरिका के पड़ोसी ही नहीं परेशान होंगे बल्कि उनके सबसे प्रिय दोस्त नरेन्द्र मोदी का देश भारत भी प्रभावित होगा। उन्होंने ब्रिक्स देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने इबार जो फैसले किए हैं उससे भारत के व्यापार को जहां करारा झटका लगने वाला है वहीं यहा मानव संसाधन को बड़ा नुकसान होने वाला है।

बता दें भारत व अमेकिरा के बीच अरबों डालर का व्यापार होता है पर अब इसपर तुषरापात होने वाला है ट्रंप ने कहा है वह अब अपने देश के लोगों पर टैक्स नही लगाएंगे बल्कि उन देशों पर टैक्स लगाएंगे जो यहां निर्यात या निमार्ण करते हैं। इसी के साथ ट्रंप ने भारत से अमेरिका में नौकरी करने आने वालों पर भी रोक लगाने का निणर्य किया है इससे भारत में तो बेरोजगारी बढ़ेगी ही अमेरिका में भी भारतीयों की नौकरी जा सकती है जिसका देश पर बुरा असर होगा। इन सब अंदेशाओं को लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। दरअसल, ट्रंप ने एलान किया है कि अमेरिका पेरिस जलवायु समझौते से बाहर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मैक्सिको और कनाडा पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। वहीं, बाइडन सरकार के 78 फैसलों को रद कर दिया। ट्रंप ने कहा कि मैं सबसे पहले बाइडन प्रशासन में लागू हुए उन 80 फैसलों को रद करूंगा जो अमेरिका के विकास के लिए बाधा बन रही है।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना रद्द

राष्ट्रपति ट्रंप ने छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले के दोषी 1500 लोगों को माफी देने के आदेश पर साइन किए। ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को बाहर करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इग तस्कर आतंकी घोषित होंगे। मैक्सिको सीमा पर दीवार बनेगी। मेक्सिको और कनाडा पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि नियम अगले महीने (फरवरी) से लागू हो सकती है। थर्ड जेंडर खत्म करने का किया एलान। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना रद होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने थर्ड जेंडर को समाप्त कर दिया है। अमेरिका में अब केवल दो जेंडर होंगे।

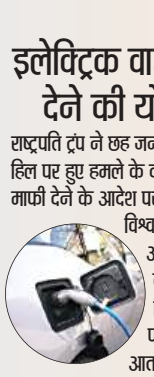

ट्रंप ने पेरिस एग्रीमेंट को धोखा करार दिया

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचने के लिए वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए दुनिया के देशों ने यह समझौता किया है। ट्रंप ने इस समझौते को धोखा करार दिया है। ट्रंप राष्ट्रति पद संभालने के बाद ताबड़तोड़ फैसले लेने वाले हैं। ट्रंप के सहयोगियों ने बताया कि अमेरिका की आव्रजन नीतियों में बदलाव लाने, जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ट्रंप कई आदेश जारी करने जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रण पर भी उठे सवाल

उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह मे शामिल हुए। भारत सरकार की तरफ से विदेशमंत्री एस जयशंकर शामिल हुए। इससे पहले भारत में प्रधानमंत्री को आमंत्रित न किए जाने पर विपक्ष समेत आमजन ने अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा था। लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा की मोदी जी से दोस्ती का दावा करने वाले ट्रंप ने मोदी को क्यों नहीं बुलाया क्या सिर्फ दोस्ती का छलावा था। बता दें ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह मे अमेरिका के कुछ सबसे प्रभावशाली अरबपतियों और राजनेताओं के साथ-साथ विदेशी नेताओं और मशहूर हस्तियां भी शामिल हुईं।

78 ▶ फैसले जो बाइडन सरकार के थे उन्हें किया रद्द

25 ▶ फीसदी टैरिफ मैक्सिको और कनाडा पर लगाया जाएगा

दूसरे देश के लोगों को नहीं मिलेगी नागरिकता

मौजूदा समय अमेरिका में जन्म लेने वालों को अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है भले ही उनके माता-पिता अमेरिकी न हों। ट्रंप ने दक्षिणी मैक्सिको सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल लगाने की घोषणा की है। वहां सशस्त्र सेना भेजी जाएगी। शरणार्थियों को अमेरिकी मैक्सिको में प्रतीक्षा करने के लिए बाध्य करने वाली नीति को पुनः लागू करेंगे। मृत्युदंड को बहाल करेंगे, जिसे बाइडन ने निलंबित कर दिया था।

भारत समेत ब्रिक्स देशों के व्यापार पर 100 प्रतिशत कर लेने की तैयारी

डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को खुलेआम एक धमकी दे दी है। शपथ लेते ही ट्रंप ने कहा कि भारत समेत ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स में इस वक्त 10 देश शामिल है। जिनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल है, स्पेन ब्रिक्स का भाग नहीं है। इसके बावजूद स्पेन डोनाल्ड ट्रंप के रडार में है, डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल दिसंबर महीने में ही ब्रिक्स देशों पर 100 टैरिफ लगाने का इशारा कर दिया था। हालांकि, उन्होंने इसके लिए एक शर्त भी रखी थी। ट्रंप ने फिर अपनी पुरानी धमकी को दोहराया है, उन्होंने ब्रिक्स देशों को धमकी देते हुए कहा कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिका विरोधी नीतियां लेकर आते हैं तो उन्हें इसके लिए अंजाम भुगतने को तैयार रहना होगा। ट्रंप ने दिसंबर 2024 में कहा था, अगर ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोशिश में नई करेंसी बनाते हैं या डॉलर के मुकाबले किसी अन्य करेंसी का समर्थन करते हैं तो अमेरिका उन सब पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा और उन्हें अमेरिका में अपना सामान बेचने से अलविदा कहना होगा।

कुलीनतंत्र बनने की ओर अग्रसर अमेरिका: बाइडन

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने विदाई संबोधन में चेतावनी दी कि अमेरिका में अत्यधिक धनबल, शक्ति और प्रभाव वाला एक कुलीनतंत्र (ओलिगार्की) आकार ले रहा है जो सचमुच हमारे पूरे लोकतंत्र के लिए खतरा है। इस टिप्पणी से पता चलता है कि राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में सार्वजनिक नीति को आकार देने वाले लोग नहीं बल्कि अरबपति होंगे। ओलिगार्की सामाजिक संगठन का वह स्वरूप है जिसमें राजनीतिक शक्ति मुख्य रूप से धनवान अभिजात्य वर्ग के हाथों में होती है। निश्चित रूप से कुछ ऐसे साक्ष्य हैं जिनके आधार पर बाइडन की चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे अमीर आदमी और एक्स के मालिक एलन मस्क रिपब्लिकन उम्मीदवार के मुखर समर्थक रहे हैं। वर्ष 2024 के चुनाव में जीत के बाद ट्रंप से मुलाकात करने वाले लोगों में मेटा के मार्क जुकरबर्ग, अमेजन के जेफ बेजोस, एप्पल के टिम कुक और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई शामिल हैं। इन नए प्रौद्योगिकी दिग्गजों को कुलीन वर्ग माना जाना चाहिए?

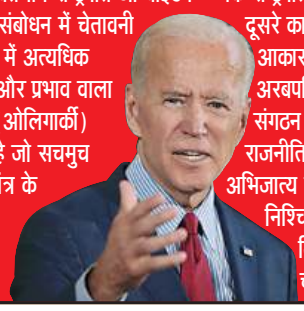

दिल्ली से लगे यूपी के जिलों के सपा कार्यकर्ता चुनाव में मदद देंगे : चौधरी

» सपा ने अपने कार्यकर्ताओं को दिया निर्देश

» आम आदमी पार्टी को जिताने के लिए लग जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने अपने कार्यकर्ताओं से दिल्ली के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जुटने का आह्वान किया है। सपा के राज्यसभा सदस्य जावेद अली कहते हैं कि सपा का हरसंभव प्रयास है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी पुनः सत्ता में लौटे। वहीं, सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि हमारी दिल्ली इकाई के कार्यकर्ता व पदाधिकारी पूरी तरह से आप के समर्थन में चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। दिल्ली से लगे यूपी के जिलों के सपा कार्यकर्ता भी वहां के चुनाव में मदद देंगे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस चुनाव में आप को पहले ही समर्थन दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में इंडिया गठबंधन का जो

दल सबसे मजबूत है, सपा का समर्थन उसी को रहेगा। दिल्ली में कांग्रेस भी गठबंधन से अलग चुनाव लड़ रही है। सपा सूत्रों के मुताबिक, अगर आम आदमी पार्टी की ओर से प्रचार में मदद की कोई डिमांड आएगी तो सपा उसे पूरा करेगी।

बीएमसी चुनाव में अकेले लड़ेगी समाजवादी पार्टी : अबू आजमी

मुंबई। महाविकास अघाड़ी को एक और बड़ा झटका देते हुए समाजवादी पार्टी ने सोमवार को बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की और कहा कि वह बीएमसी की 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

विशेष सूत्रों के मुताबिक, सपा ने प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस बीच, एसपी नेता अबू आजमी ने कहा कि एमवीए में कोई समन्वय नहीं है और उद्धव ठाकरे पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि एमवीए बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी। अबू आजमी ने पुष्टि की कि समाजवादी पार्टी बीएमसी की 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है और अच्छे उम्मीदवारों को टिकट देगी. उन्होंने यह भी कहा कि एसपी ने चुनाव की तैयारी शुरू करने का आदेश दे दिया है। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा था कि उनकी पार्टी विभिन्न स्थानीय निकायों के आगामी चुनाव अकेले लड़ेगी। यह महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी के लिए बड़ा झटका था।

महा विकास अघाड़ी गठबंधन लोस और विस चुनावों के लिए था

पत्रकारों से बात करते हुए, राज्यसभा सांसद ने कहा कि इंडिया ब्लॉक और महा विकास अघाड़ी गठबंधन लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए है। उन्होंने कहा कि हम मुंबई और

नागपुर नगर निगम से अपने दम पर लड़ेंगे, जो होगा सो होगा। हमें खुद ही देखना होगा। हम अपने दम पर नागपुर से लड़ेंगे। ऐसा संकेत हमें उद्धव ठाकरे ने दिया है। राउत ने कहा कि मैंने अभी हमारे शहर शिव सेना प्रमुख प्रमोद मानमोडे से इस पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गठबंधन में कार्यकर्ताओं को लोकसभा और विधानसभा लड़ने का मौका नहीं मिलता है। इससे पार्टी बल्कि पार्टी के विकास पर असर पड़ रहा है। हमें नगर निगम, जिला परिषद और नगर पंचायत में अपने दम पर लड़ना चाहिए और अपनी पार्टी को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन को बचाना कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी है। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है।

पंजाब विस चेयरमैन पद की नियुक्ति को लेकर गहराया विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के चेयरमैन के तौर पर अश्विनी चावला की नियुक्ति पर विवाद छिड़ गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां को पत्र लिखकर अश्विनी चावला की नियुक्ति रद्द करने की मांग की है। रंधावा ने अपने पत्र में लिखा है कि चावला डेरा सच्चा सौदा से जुड़े हैं और पंजाब विधानसभा के चेयरमैन के तौर पर उनकी नियुक्ति श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों का उल्लंघन है।

» सांसद रंधावा बोले- वे सिरसा डेरा से जुड़े

शिअद की तरफ से सदस्यता अभियान तो शुरू किया जा रहा है, लेकिन पार्टी के कुछ नेताओं ने सदस्यता अभियान में काम करने से इन्कार कर दिया है। यह पार्टी के लिए चिंता का विषय बना हुआ है और इन नेताओं को साथ लेकर चलना पार्टी के आगे सबसे बड़ी चुनौती है। शिरोमणि अकाली दल का सदस्यता अभियान आज शुरू हुआ। सभी नेताओं को इस अभियान के लिए सदस्यता पुस्तिकाएं लेने के लिए बुलाया गया है। इस अभियान के लिए पूर्व मंत्री गुलजार सिंह रणीके को मुख्य चुनाव अधिकारी बनाया गया है। सुखबीर बादल ने भी सदस्यता ली। सदस्यता अभियान के जरिये पार्टी का दोबारा संगठन खड़ा करने पर जोर है। इसी तरह एसजीपीसी सदस्यों की बैठक के समय में भी पार्टी ने बदलाव किया है। अब यह बैठक 21 की जगह 22 जनवरी को होगी। इन बैठकों के साथ ही पूर्व प्रधान सुखबीर बादल भी एक बार फिर से पार्टी में एक्टिव होने जा रहे हैं।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने जनता के साथ वादाखिलाफी की : जेना

» ओडिशा में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, सीएम आवास का किया घेराव

» सात माह पुरानी बीजेपी सरकार से आम जनता त्रस्त

» बीजेपी के शासन में महंगाई ने जीना दुश्वार किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओडिशा कांग्रेस के नेताओं ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के आवास का घेराव किया। इस दौरान उन्होंने सीएम माझी पर केंद्र सरकार के इशारों पर चलने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता जयदेव जेना ने कहा कि आज मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के आवास का घेराव किया गया।

इस प्रदर्शन में यूथ कांग्रेस के नेताओं ने भी हिस्सा लिया। सात महीने से राज्य में भाजपा की सरकार चल रही है और आम आदमी इस सरकार से त्रस्त हो गया है। पिछले 24 सालों में नवीन पटनायक की सरकार ने तो राज्य का बुरा हाल किया था और अब भाजपा के शासन में प्रदेश में महंगाई बढ़ी है और बेरोजगारी में भी इजाफा हुआ है। जेना के मुताबिक इस सरकार से किसान परेशान हैं और उनके धान

की बिक्री भी नहीं हो रही है। कांग्रेस इस मुद्दे को आगे भी उठाएगी। जयदेव जेना ने ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष के नाम के ऐलान पर कहा, जल्द ही पीसीसी अध्यक्ष की नियुक्ति होगी और हम भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार के कुशासन का मुकाबला करने के लिए आवाज को उठाएंगे। साथ ही गांव से लेकर शहर तक एक कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। कांग्रेस ने अपने एक्स अकाउंट पर प्रदर्शन का वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने लिखा, कि ओडिशा की भाजपा सरकार ने जनता के साथ वादाखिलाफी की है, उन्हें ठगने का काम किया है। भाजपा सरकार की इस नाकामी और उनके कठपुतली मुख्यमंत्री के खिलाफ यूथ कांग्रेस के साथियों ने यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में सीएम आवास का घेराव किया। जनता के हक के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

50 लाख नये सदस्य बनाएगा झामुमो

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद कर रहे अभियान की मानीटरिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन की अगुवाई करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत बनाने की कवायद शुरू की है। इसी कड़ी में पार्टी ने पूरे राज्य में 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया है। झारखंड के अलग–अल जिलों में अभियान शुरू हो गया है। सदस्यता अभियान 28 फरवरी तक चलेगा। पार्टी के सभी सांसदों, विधायकों और मंत्रियों को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का निर्देश दिया गया है।

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद पूरे अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अभियान पूरा होते ही पार्टी के केंद्रीय महाधिवेशन में केंद्रीय कार्यकारिणी और केंद्रीय समिति की घोषणा की जाएगी। इसके पहले 21 जिलों में पार्टी की कमेटियां भंग कर संयोजक मंडल का गठन किया गया है। संयोजक मंडल पंचायत, वार्ड और प्रखंड से लेकर जिला

विशेष अभियान की शुरूआत

रांची में सोमवार को शहर के अल्बर्ट एक्का चौक पर लगाए गए कैंप से सदस्यता अभियान की शुरुआत जिला संयोजक मुश्ताक आलम की अगुवाई में हुई। इस कैंप में पहले दिन 1,200 लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। मुश्ताक आलम ने कहा कि सरकार की योजनाओं से विशेष रूप से महिलाएं प्रभावित हैं और वे पार्टी के साथ सक्रिय तौर पर जुड़ने के लिए आगे आ रही हैं।

मार्च में होगा पार्टी का महाअधिवेशन : सुप्रियो भट्टाचार्य

पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड के लोगों ने जिन आकांक्षाओं के साथ हमें प्रचंड बहुमत दिया है, उसे और भी व्यापक स्वरूप देने के लिए हमलोग प्रतिबद्ध हैं। इसके तहत रांची जिले में 5 लाख और झारखंड में 50 लाख सदस्य बनाए जाएंगे। इस बीच 2 फरवरी को दुमका और 4 फरवरी को धनबाद में झामुमो का स्थापना दिवस समारोह बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। फरवरी के आखिरी हफ्ते या मार्च की शुरुआत में पार्टी का केंद्रीय महाधिवेशन आयोजित होगा।

स्तर तक ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए कैंप लगाएगा। इसके बाद सबसे पहले बूथ कमेटियां गठित की जाएंगी।

मिल्कीपुर की जनता भाजपा को सबक सिखाएगी : अजय राय

» बोले- सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करना बीजेपी का काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मिल्कीपुर निर्वाचन क्षेत्र में आगामी उपचुनाव के लिए अपने इंडिया ब्लॉक सहयोगी समाजवादी पार्टी को पूरी ताकत से समर्थन दिया।

अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पूरी ताकत से इंडिया गठबंधन का समर्थन कर रही है। चुनाव जीतने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करना भाजपा का काम है लेकिन मिल्कीपुर की जनता इस

बार उन्हें सबक सिखाएगी। समाजवादी पार्टी की सहयोगी कांग्रेस ने मिल्कीपुर से कोई उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है और इसके बजाय उसने सपा उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा की है। पिछले साल हुए आम चुनाव में फैजाबाद से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद सपा के अवधेश प्रसाद द्वारा सीट खाली करने के बाद मिल्कीपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव जरूरी हो गया था।

बिहार में फिर निकला जातिगत जनगणना का जिन्न

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान से राज्य में मचा सियासी घमासान

» राजग ने कांग्रेस पर साधा निशाना

» चुनावी साल में बिहार होगा मालामाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लोस में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर राज्य में नीतीश कुमार सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण को फर्जी बताने पर घमासान मच गया है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (रागज)ने कांगेस नेता पर निशाना साधा। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार बिहार के दौरे पर आए राहुल गांधी ने शनिवार को देश भर में जाति जनगणना कराने का संकल्प लिया और कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि यह कवायद बिहार में 2022-23 में की गई जाति सर्वेक्षण की तरह फर्जी न हो... इसका उद्देश्य लोगों को मूर्ख बनाना न हो।

वहीं राजनीतिक उतार-चढ़ाव के इतिहास के बाद, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले साल घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे, जिससे संकेत मिलता है कि भाजपा-जेडीयू गठबंधन अब पक्का हो गया है। यह साल जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बिहार अक्टूबर-नवंबर में राज्य चुनाव की तैयारी कर रहा है। उनकी पार्टी को मोदी सरकार पर भरोसा है, जो 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करेगी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पिछले साल के बजट ने बिहार के साथ-साथ आंध्र प्रदेश में दो महत्वपूर्ण सहयोगियों की परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए अपना बटुआ खोल दिया था, जिन्होंने अपने दम पर बहुमत से पीछे रहने के बाद केंद्र में भाजपा को सरकार बनाने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस वर्ष के लिए, बिहार ने पहले ही सीतारमण को 32 पन्नों का एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें केंद्र से बिहार के विकास के लिए उदार धन आवंटित करने का आग्रह किया गया है। प्रमुख मांगों में, बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने उत्तर बिहार में वार्षिक बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए ऊंचे बांध बनाने के लिए नेपाल सरकार के साथ सहयोग करने का आह्वान किया है। चौधरी ने बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम (एफएमपी) के तहत गंडक, कोसी और कमला जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय नदियों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मेरा आपसे आग्रह है कि गंडक, कोसी और कमला जैसी नदियों से आने वाली बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए 90ब केंद्रीय सहायता वाली योजनाओं को मंजूरी दें। बुनियादी ढांचे की जरूरतों को संबोधित करते हुए, चौधरी ने बताया कि बिहार के 26 जिलों को बरसात के दौरान कुशल जल निकासी के लिए अतिरिक्त पुलों और पुलियों की आवश्यकता है। उन्होंने अनुमान लगाया कि इस निर्माण में लगभग 13,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। उन्होंने केंद्र से एक अतिरिक्त उधार सीमा की अनुमति देने का भी अनुरोध किया, जिसमें बिहार के लिए 1प्रतिशत जीएसडीपी छूट का सुझाव दिया गया जब तक कि इसकी प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत तक नहीं पहुंच जाती।

शीर्ष नेता का आशय सर्वेक्षण को ठंडे बस्ते में डालने से : अखिलेश प्रसाद सिंह

राहुल गांधी के बयान पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने दावा किया कि पार्टी के शीर्ष नेता का आशय यह रेखांकित करना था कि सर्वेक्षण को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रकाशित होने के तुरंत बाद नीतीश कुमार ने हमें छोड़ दिया और भाजपा से हाथ मिला लिया। तब से वह अपने कदम पीछे खींच रहे हैं, जिससे उनकी मंशा पर सवाल उठता है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आलोक में दलितों और पिछड़ों के लिए कोटा बढ़ाया गया था। इस कानून को पटना उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था और सरकार ने इस आदेश को उच्चम न्यायालय में चुनौती दी है। नीतीश कुमार अब मामला न्यायालय में का हवाला देकर बच रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि मुख्यमंत्री इस बात को लेकर गंभीर हैं कि वंचित वर्गों को लाभ मिले, तो उन्हें याचिका वापस ले लेनी चाहिए, नया कानून लाना चाहिए और फिर केंद्र में अपनी पार्टी के प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए नए कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कराकर उसे किसी भी न्यायिक हस्तक्षेप से बचाना चाहिए।

हम ऐसे नेता से कुछ बेहतर की उम्मीद नही कर सकते : चौधरी

राजग में घटक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता और राज्य में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने राहुल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम ऐसे नेता से कुछ बेहतर की उम्मीद नहीं कर सकते जो भारत सरकार और भारतीय राज्य के बीच अंतर करने में असमर्थ हैं। उनका इशारा दिल्ली में राहुल गांधी द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणी की ओर था, जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित असम में कांग्रेस के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। चौधरी ने गांधी को याद दिलाया कि उनकी पार्टी शुरू से ही जाति सर्वेक्षण का समर्थन करती रही है। सरकार भी ठोस सबूतों के साथ विसंगतियों को दूर करने के लिए तैयार रही है। ऐसी पृष्ठभूमि में, गांधी की टिप्पणी हास्यास्पद लगने वाली बातें कहने की उनकी प्रवृत्ति का एक और उदाहरण है।

तेजस्वी फैलाते हैं अफवाह : बबलू

पीएचईडी मंत्री सह भाजपा विधायक नीरज कुमार सिंह बबलू ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के डीके टैक्स वाले बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को टैक्स वसूली का पूरा अनुभव है। उन्हें पता है कि जब वह सरकार में थे तो किस-किस तरह का टैक्स वसूला जाता था। डिप्टी सीएम रहते हुए उन्होंने अपने पास पांच-पांच विभाग दबा कर रखे थे, लेकिन तब उनकी जुबान नहीं खुलती थी। अब डीके टैक्स और पीके टैक्स जैसी अफवाह फैला कर भ्रम की राजनीति करना चाहते हैं। सत्ता से बाहर आने के बाद उन्हें तरह-तरह का टैक्स नजर आ रहा है। लेकिन सरकार में रहते हुए कुछ नहीं बोला। जनता इस बात को समझती है और किसी बहकावे में नहीं आने वाली है। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बिहार में तेजी से विकास कार्यों में जुटी है और इन अफवाहों से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। अपनी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को देश और बिहार के विषय में कुछ पता नहीं है। वास्तव में तब बिहार में महागठबंधन की ही सरकार थी, जब जाति जनगणना हुई। एनडीए ने भी इसका समर्थन किया था। जनगणना के परिणाम भी उनकी सरकार में ही सामने आए। लेकिन उन्हें यहां की सरजमीन, किसान और फसलों का नहीं पता है। कभी राहुल गांधी आलू से सोना निकालते हैं तो कभी जलेबी की फैक्ट्री लगाते हैं। भाजपा नेता बबलू ने आगे आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग देश को लूटने वाले हैं और लूट कर विदेशों में धन अर्जित करने वाले लोग हैं। ये लोग हमेशा तिकड़म लगाते रहते हैं कि कैसे देश को लूटें। पूरा विपक्ष आम आवाम को मूर्ख बना कर अपनी राजनीति चलाना चाहता है। लेकिन देश और बिहार की जनता समझदार है, इनके बहकावे में नहीं आने वाली है। मंत्री ने कहा कि बिहार में कांग्रेस का पहले से ही सफाया हो चुका है। यह एक परजीवी पार्टी है। बिना किसी के सहारे के नहीं चल सकती है। राहुल गांधी बिहार में पार्टी के लिए जमीन तलाशने आए थे, लेकिन उन्हें बिहार के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है।

राहुल गांधी जाति सर्वेक्षण का श्रेय लेते फिर फर्जी बताना हैरान करने वाला : शाहनवाज

भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हाल ही तक राहुल गांधी बिहार के जाति सर्वेक्षण का श्रेय लेते थे। उनका इस सर्वेक्षण को फर्जी कहना हैरान करने वाला है। बिहार सरकार में मंत्री और भाजपा की बिहाई इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने राहुल का मखौल उड़ाते हुए कहा, जाति आधारित गणना पर बोलने से पहले राहुल गांधी को हमें बताना चाहिए कि वह किस जाति से हैं।

अक्टूबर 2023 मे सर्वेक्षण किया गया था

बिहार सरकार द्वारा अक्टूबर 2023 में जब सर्वेक्षण के नतीजों को सार्वजनिक किया गया तब कांग्रेस नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार में साझेदार थी। सर्वेक्षण में दलितों और पिछड़े वर्गों की जनसंख्या प्रतिशत में वृद्धि रेखांकित हुई।

राहुल गांधी फर्जीवाड़े के सरदार : ललन सिंह

केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह ने राहुल को फर्जीवाड़े का सरदार बता दिया। ललन सिंह ने कहा कि उसे हर चीज़ नकली लगती है जबकि वह खुद नकलीपन के सरदार हैं।कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि बिहार में कराया गया जाति आधारित सर्वेक्षण %फर्जी% था। राज्य की राजधानी में संविधान बचाओ सम्मेलन में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि कांग्रेस हर कीमत पर देशव्यापी जाति जनगणना सुनिश्चित करेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम जाति जनगणना सुनिश्चित करेंगे, भले ही हमें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि यह बिहार में कराए गए जाति सर्वेक्षण जैसा नहीं होगा, जो फर्जी निकला था।इसे भी पढ़ें- राहुल गांधी को किसी संस्था पर भरोसा नहीं, वे खुद संविधान के लिए खतरा, सम्राट चौधरी का कांग्रेस नेता पर तंज इसके बाद सियासत तेज हो गई है। भाजपा और जदयू की ओर से राहुल गांधी पर पलटवार किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह ने राहुल को फर्जीवाड़े का सरदार बता दिया। ललन सिंह ने कहा कि उसे हर चीज़ नकली लगती है जबकि वह खुद नकलीपन के सरदार हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में जो जातीय जनगणना हुई, उसी के आधार पर वह (देशव्यापी) जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे। जब हम इंडिया गठबंधन का हिस्सा थे और यही मांग कर रहे थे, तब वे चुप थे। वे चुप क्यों थे। राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जिसके शासन में भागलपुर में दंगे हुए थे। राहुल गांधी को आपातकाल लगाने के लिए जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा के सामने माफी मांगनी चाहिए थी। जेडीयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि नीतीश कुमार के 20 साल के कार्यकाल में जाति जनगणना उनके द्वारा लिए गए अहम फैसलों में से एक है। इस जातीय जनगणना के आधार पर बिहार में आर्थिक रूप से पिछड़े 94 लाख परिवारों को 2 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपने (कांग्रेस) 55 साल के कार्यकाल के बारे में भी बोलना चाहिए, उन्होंने आरक्षण के लिए क्या किया, जाति जनगणना के संबंध में क्या किया?

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

रुपये का गिरना खतरनाक स्तर पर

भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले कुछ वर्षों से कई मुश्किलों का सामना कर रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए की जा रही सरकारी कोशिशें नाकाम साबित हो रही है। अर्थव्यवस्था में उच्च मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और विदेशी निवेश में कमी जैसी समस्याएं लगातार बनी है। वहीं रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिरने से निर्यात और आयात दोनों पर असर पड़ा है। जोकि भारतीय अर्थव्यवस्था में अस्थिरता और महंगाई के बढ़ने का संकेत है। सरकार ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन कुछ जरूरी उपायों की कमी अभी भी महसूस की जा रही है। जैसे कृषि क्षेत्र में सुधार, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और निर्यात नीति में सुधार करना लाजमी है। रुपया डॉलर के मुकाबले गिरने से कई समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं, जिनका समाधान समय रहते सरकार और रिजर्व बैंक को प्रभावी तरीके से करना होगा। अगर यह गिरावट जारी रहती है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है। रुपये की गिरावट का सिलसिला 2018 से लगातार जारी है, लेकिन 2020 के बाद इसे तेज़ी से गिरते हुए देखा गया। 2018 में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 68 रुपये के आस-पास थी, जो 2022 तक 75 रुपये के आस-पास पहुँच गई।

2024 की शुरूआत में यह 83 रुपये तक पहुँच गया, जो भारतीय रुपये के इतिहास में अब तक की सबसे निचली दर है। 2021 और 2022 के दौरान रुपये में निरंतर गिरावट दर्ज की गई। 2022 में, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संकट और बढ़ती तेल की कीमतों के कारण भारतीय रुपये में गिरावट आई। वहीं, 2023 की शुरुआत से लेकर अब तक रुपये की कीमत 80 रुपये से अधिक हो गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि की है, लेकिन इस कदम का असर अर्थव्यवस्था पर उतना नहीं पड़ा है। ब्याज दरों में वृद्धि से निवेश और मांग पर असर पड़ा है। भारत के अधिकतर लोग कृषि पर निर्भर हैं, लेकिन कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में सरकार ने पर्याप्त काम नहीं किया है। कृषि उत्पादों की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ी है। रुपये का गिरना भारतीय अर्थव्यवस्था की अस्थिरता को दर्शाता है। रुपये का मूल्य गिरना मतलब है कि विदेशी मुद्रा का भारत में आना कम हो रहा है और देश में आर्थिक संकट गहरा रहा है। रुपये के गिरने से आयातित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होती है। खासकर कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और अन्य जरूरी सामान की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे महंगाई दर में वृद्धि होती है। विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार में निवेश करने में कम फायदा होता है। इससे विदेशी निवेश में कमी आ सकती है। निर्यात और आयात के बीच संतुलन नहीं है। भारत की निर्यात क्षमता सीमित है, और आयात की कीमतें बढ़ रही हैं। रुपये की गिरावट यह भी संकेत देती है कि भारतीय रिजर्व बैंक को मजबूत मुद्रा नीति अपनाने की जरूरत है। रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में वृद्धि और विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि के उपायों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

> “ पया डॉलर के मुकाबले गिरने से कई समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं, जिनका समाधान समय रहते सरकार और रिजर्व बैंक को प्रभावी तरीके से करना होगा। अगर यह गिरावट जारी रहती है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है। रुपये की गिरावट का सिलसिला 2018 से लगातार जारी है, लेकिन 2020 के बाद इसे तेज़ी से गिरते हुए देखा गया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रोजगार सृजन हो और महंगाई पर नियंत्रण

सुरेश सेठ

आजादी के बाद, संविधान द्वारा यह घोषणा की गई थी कि हम प्रजातांत्रिक तरीके से समाजवाद की स्थापना करेंगे, यानी अमीर-गरीब के भेद को मिटाएंगे। हालांकि, संविधान को अंगीकार करने के पौन सदी बाद भी यह भेद जस का तस बना हुआ है। देश में प्रगति तो हो रही है, लेकिन वह चंद धनकुबेरों की संपत्ति बनकर रह गई है। आज भी 10 प्रतिशत लोग देश की 90 प्रतिशत संपत्ति पर हावी हैं, जबकि 90 प्रतिशत लोग 10 प्रतिशत संपत्ति से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। वर्ष 2047 तक देश को पूरी तरह से विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है और यह सपना देखा है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में हमने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना दिया है और अगले वर्षों में तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। हालांकि, यह सपना है, पर क्या वास्तविकता में अमीर-गरीब का भेद मिट पाया है? क्या मेहनत करने वालों को रोजगार मिला है? और क्या वजह है कि हर संकट में गरीब और भी अधिक परेशान होता है, जबकि अमीर और भी समृद्ध हो जाते हैं। नए आंकड़े बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक खरबपति भारत में हैं।

भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना बहुत आकर्षक है, लेकिन इसके लिए जीडीपी विकास दर 8-9 प्रतिशत के बीच रहनी चाहिए। हालांकि, 2024-25 के आर्थिक वर्ष की आखिरी तिमाही में जीडीपी विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम रही, जो 5.4 प्रतिशत तक गिर गई। इसका कारण महंगाई, शहरी मांग में कमी, महंगी वस्तुएं और घटती उपभोक्ता शक्ति बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, पूंजी निवेश में कमी और उत्पादकता में अवरोध भी आर्थिक मंदी के कारण बने। वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की थी, जो दर्शाता है कि यदि सही नीतियां अपनाई जाएं, तो आर्थिक वृद्धि संभव है। आगामी बजट में वित्तमंत्री को इस मंदी का ध्यान रखते हुए ऐसे कदम उठाने होंगे जो निवेश को प्रोत्साहित करें, उत्पादकता बढ़ाएं, और रोज़गार के अवसर सृजित करें।

इसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि होगी और बाजारों में निरुत्साह की स्थिति को रोका जा सकेगा। कृषि, जो देश का प्रमुख क्षेत्र है और जिसमें 62 प्रतिशत श्रम लगा है, अब उसके जीडीपी योगदान में गिरावट आ रही है। कोविड

> वर्ष 2047 तक देश को पूरी तरह से विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है और यह सपना देखा है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में हमने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना दिया है और अगले वर्षों में तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। हालांकि, यह सपना है, पर क्या वास्तविकता में अमीर-गरीब का भेद मिट पाया है? क्या मेहनत करने वालों को रोजगार मिला है? और क्या वजह है कि हर संकट में गरीब और भी अधिक परेशान होता है, जबकि अमीर और भी समृद्ध हो जाते हैं। नए आंकड़े बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक खरबपति भारत में हैं।

महामारी के प्रभाव से शहरी औद्योगिक और उत्पादक क्षेत्रों से श्रम बल वापस ग्रामीण इलाकों में लौट आया है, और अब वे शहरों में काम करने के लिए तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, 16 प्रतिशत श्रम बल कृषि से अन्य क्षेत्रों में गया था, लेकिन पिछले दस वर्षों में 19 प्रतिशत श्रम बल खेती में लौट आया है, जबकि खेती की उत्पादकता अन्य क्षेत्रों से कम है। सेवा क्षेत्र और पर्यटन ने जीडीपी में बड़ा योगदान दिया है, लेकिन रोजगार की संभावना सीमित है। सरकार के मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और उत्पादन लिंक्ड इंसेंटिव योजनाओं के बावजूद पूंजी निर्माण की कमी के कारण ये योजनाएं सफल नहीं हो पाई। शहरी उपभोग में गिरावट के साथ ग्रामीण उपभोग में वृद्धि हुई है। सरकार ने सहकारी क्षेत्र को विकसित करने का प्रस्ताव रखा है, लेकिन इसके लिए इन उद्योगों को गांवों, कस्बों या छोटे शहरों में स्थापित करना आवश्यक है। शहरी महंगाई से गरीब वर्ग का सामना कठिन हो रहा है, जबकि गांवों में खेती का कुटीर उद्योग कुछ सहारा दे सकते हैं। महंगाई का असर गांवों और शहरों दोनों पर है। एक और बड़ी चुनौती यह है कि युवा पीढ़ी को रोजगार की गारंटी नहीं मिल पा रही, खासकर सरकार द्वारा महंगाई नियंत्रण के लिए लागू की गई सख्त साख नीति के कारण।

उच्च ब्याज दरों और रैपो रेट में कोई कमी न आने से यह स्थिति और भी जटिल हो गई है। आगामी माह में रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों या रैपो रेट में कटौती की आवश्यकता होगी, ताकि खेती से लेकर निवेश तक को प्रोत्साहन मिल सके और रोजगार सृजन हो सके। वर्तमान में कृषि, होटल और सम्पत्ति क्षेत्र को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में विकास दर घट गई है, जैसे निर्माण, खनन, विद्युत, गैस, और व्यापार। इसका कारण निवेश और पूंजी निर्माण की कमी है, जो ब्याज दरों में कटौती से पूरी हो सकती है। हालांकि, ब्याज दरों में कमी महंगाई को बढ़ा सकती है, इसलिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

व्यावहारिक अनुभव के साथ सैद्धांतिक ज्ञान भी

डॉ. सुधीर कुमार

> भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) कानून विश्वविद्यालयों में कानूनी सहायता क्लीनिकों की स्थापना और संचालन को अनिवार्य मानती है। इन क्लीनिकों का उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। उन्हें गरीबों तथा वंचितों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। बीसीआई इन क्लीनिकों की नियमित निगरानी करती है, ताकि छात्रों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिल सके। कानूनी सहायता क्लीनिक न होने पर शिक्षा संस्थानों पर जुर्माना, शो कॉज नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई या मान्यता रद्द करने जैसी कड़ी कार्रवाइयां की जा सकती हैं।

कानून का अध्ययन केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह एक व्यावहारिक पेशा है, जो समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, लीगल एड क्लीनिक कानून के छात्रों के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हैं, जहां वे सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहार में लाने के साथ-साथ समाज सेवा भी कर सकते हैं। भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) कानून विश्वविद्यालयों में कानूनी सहायता क्लीनिकों की स्थापना और संचालन को अनिवार्य मानती है। इन क्लीनिकों का उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। उन्हें गरीबों तथा वंचितों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। बीसीआई इन क्लीनिकों की नियमित निगरानी करती है, ताकि छात्रों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिल सके। कानूनी सहायता क्लीनिक न होने पर शिक्षा संस्थानों पर जुर्माना, शो कॉज नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई या मान्यता रद्द करने जैसी कड़ी कार्रवाइयां की जा सकती हैं।

लीगल एड क्लीनिक ऐसे केंद्र होते हैं, जहां कानून के छात्र जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को वास्तविक जीवन के कानूनी मुद्दों से निपटने का अनुभव मिलता है। वे कानूनी प्रणाली को गहरे से समझते हैं। ये क्लीनिक परिवारिक, भूमि, श्रम विवाद जैसे विभिन्न मामलों में मदद करते हैं। भारत में कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में लीगल एड क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। सरकार भी विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से इनका समर्थन करती है। लीगल एड क्लीनिक छात्रों को अपने कानूनी ज्ञान को सैद्धांतिक से परे वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। यहां वे विभिन्न कानूनी मामलों से निपटते हैं, लोगों को कानूनी सलाह देते हैं, और कानूनी सिद्धांतों को व्यावहारिक अनुभव के साथ समझते हैं।

इसमें भागीदारी से छात्र समाज सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित होते हैं। यहां उन्हें वकीलों, न्यायाधीशों और अन्य कानूनी पेशेवरों से बातचीत का मौका मिलता है, जिससे उनका नेटवर्क मजबूत होता है। इस अनुभव से छात्रों को अपने भविष्य के करियर के लिए व्यावहारिक तैयारियां मिलती हैं। एक कॉर्पोरेट कानून का छात्र छोटे व्यवसायों को कानूनी सलाह देकर कॉर्पोरेट कानून के पहलुओं को समझ सकता है।

कानूनी सहायता क्लीनिक में छात्रों को शामिल करना आवश्यक है, जिससे उन्हें वास्तविक मुकदमे और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। अनुभवी अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन, कानूनी प्रक्रियाओं और नैतिक मानदंडों की समझ जरूरी है। क्लीनिक संचालकों को सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। इसके अलावा, क्लीनिक को आधुनिक संसाधनों जैसे कंप्यूटर, इंटरनेट और कानूनी पुस्तकालय से सुसज्जित किया जाना चाहिए। इसमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें छात्रों के साथ सहयोगी संबंध स्थापित करना चाहिए, ताकि वे अपनी समस्याओं को खुलकर साझा कर सकें। शिक्षक को प्रायोगिक शिक्षण पद्धतियों, जैसे मॉक कोर्ट और क्लीनिकल लीगल एजुकेशन के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देना चाहिए। वे छात्रों को यह समझाएं कि लीगल एड क्लीनिक समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षक को अपने ज्ञान को अपडेट रखना चाहिए, छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना चाहिए और उन्हें नेतृत्व के गुण विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। विश्वविद्यालयों को पर्याप्त बजट और प्रशिक्षित कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और विभिन्न प्रकार के कानूनी मुद्दों के लिए कार्यक्रम विकसित करना चाहिए।

इसके अलावा, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाना, जागरूकता अभियान चलाना, नियमित मूल्यांकन करना और अध्यापकों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। तकनीक का उपयोग और कानूनी सेवा प्राधिकरणों के साथ सहयोग करके भी इन क्लीनिकों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। लीगल एड क्लीनिक की प्रभावी निगरानी के लिए नियमित बैठकें, विद्यार्थियों से प्रगति रिपोर्ट लेना, अध्यापकों द्वारा सुपरविजन, कार्यक्रम का मूल्यांकन, लोगों से फीडबैक लेना, पारदर्शिता बनाए रखना, विद्यार्थियों को कानूनी सलाह देना आदि महत्वपूर्ण उपाय हैं। इन उपायों से क्लीनिक के उद्देश्यों की प्राप्ति, विद्यार्थियों का विकास और लोगों की संतुष्टि सुनिश्चित की जा सकती है।

ससुराल में पहली बार ऐसे बनाएं हलवा

शादी का दिन हर लड़की के लिए काफी खास होता है। इस दिन के बाद लड़कियों की पूरी जिंदगी ही बदल जाती है। उनके रहन-सहन से लेकर हर चीज में बदलाव आ जाता है। जिस तरह से शादी के पहले हल्दी, मेहंदी जैसी रस्में दुल्हनों के लिए बेहद खास होती हैं, ठीक उसी तरह से शादी के बाद पहली रसोई की रस्म के लिए भी लड़कियां काफी उत्साहित रहती हैं। इस रस्म में लड़कियों को सबसे पहले मीठा बनाना होता है। रस्म के बाद उन्हें शगुन के रूप में काफी सामान और पैसे भी मिलते हैं। यदि आपकी भी शादी होने वाली है तो आपको भी अपनी पहली रसोई के लिए मीठे पकवान की एक रेसिपी तो रट ही लेनी चाहिए। ताकि आप स्वादिष्ट सा हलवा बनाकर अपने ससुराल वालों का दिल जीत सकें।

विधि

सूजी का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में 4-5 बड़े चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गरम करें। अब इस गर्म घी में 1 कप सूजी डालें और धीमी-मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए हल्की सुनहरी और खुशबूदार होने तक भूनें। जब तक सूजी भुन रही है तब तक दूसरे किसी बर्तन में 2 कप पानी और 1 कप चीनी डालकर उबालें। इसे तब तक गर्म करें जब तक चीनी पूरी तरह से घुल न जाए। जब सूजी अच्छी तरह भुन जाए, तो उसमें धीरे-धीरे गरम चीनी-पानी का मिश्रण डालें। ध्यान रखें कि ये मिश्रण डालते समय छींटे न पड़ें, इसलिए धीरे-धीरे और सावधानी से डालें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं और धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक हलवा गाढ़ा न हो जाए और कढ़ाई के किनारे न छोड़ने लगे। जब ये गाढ़ा हो जाए तो इसमें बारीक कटे हुए काजू, बादाम, किशमिश और 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं। अब आखिर में इस हलवे को 5 मिनट के लिए ढककर रखें ताकि उसका स्वाद और ज्यादा बढ़ जाए। अब इसे गरम-गरम परोसें और ससुराल वालों का दिल जीतें।

सामान

सूजी: 1 कप, चीनी: 1 कप, घी: 4-5 बड़े चम्मच, काजू, बादाम, किशमिश: 2-3 बड़े चम्मच (बारीक कटे हुए), इलायची पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच।

बच्चों के लिए बनाएं अमरूद की चाट

अमरूद एक ऐसा फल है, जिसे बड़ों से लेकर बच्चे भी खाना पसंद करते है। इसकी खास बात ये है कि इसे खाते वक्त आपके हाथ गंदे नहीं होते। इसी वजह से लोग इसे कहीं भी हल्की भूख लगने पर खा लेते हैं। वैसे तो अमरूद को कई तरह से खाया जाता है, लेकिन लोगों को इसकी चाट सबसे ज्यादा पसंद आती है। इस मौसम में बाजार में अमरूद खूब आने लगते हैं। ऐसे में आप चाहें तो अमरूद की चाट बनाकर बच्चों को खिला सकती हैं। ये एक स्वादिष्ट और ताजगी से भरी चाट है, जिसे आसानी से घर पर बनाया जा सकता है। इसमें अमरूद के ताजे टुकड़े, मसाले, और नींबू का रस मिलाकर एक खट्टा-मीठा स्वाद मिलता है। यह स्नैक्स के रूप में या हल्के भोजन के लिए परोसा जा सकता है।

सामान

2-3 मध्यम आकार के पके हुए अमरूद (बारीक कटे हुए), 1 छोटी चम्मच काला नमक, 1 छोटी चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर, 1/2 छोटी चम्मच लाल मिर्च पाउडर (स्वाद अनुसार), 1/2 छोटी चम्मच चाट मसाला, 1 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) - वैकल्पिक, 1 नींबू का रस, 1/2 कप ताजे हरे धनिये के पत्ते (बारीक कटे हुए), 1/2 कप अनार के दाने।

विधि

अमरूद की चाट बनाने के लिए सबसे पहले अमरूद को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अमरूद के बीज निकालने की आवश्यकता नहीं है, अगर वे मुलायम हैं। इसके बाद एक बड़े बर्तन में कटे हुए अमरूद डालें। इसमें काला नमक, भुना हुआ जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला और कटी हुई हरी मिर्च मिलाएं। मसाले मिक्स करने के बाद इसमें नींबू का रस डालें। अब इसके ऊपर से ताजे धनिये के पत्ते और अनार के दाने डालें। यह चाट को ताजगी और मिठास प्रदान करेगा। अमरूद की चाट को तुरंत परोसें ताकि इसके मसाले और ताजगी का पूरा आनंद लिया जा सके।

हंसना मना है

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते हैं, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए.. और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए.. पर होता उसके बिलकुल उलटा है.. भगवान आते नहीं है और, मच्छर है कि जाते नहीं है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज: जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

डॉक्टर: जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नहीं? मरीज: पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ: सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड: तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू का इंटरव्यू: बताओ वो कौन सी औरत हैं जिसको 100 प्रतिशत पता होता हैं की उसका हसबैंड कहा हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

कहानी — सच्चा पुरुषार्थ

समय के साथ ही स्वामी विवेकानंद का ज्ञान और बातें पूरी दुनिया में फैल रही थीं। उनके भाषण और बातों से भारत के लोग ही नहीं, बल्कि विदेशी भी प्रभावित थे। हर कोई उन्हें अपना आदर्श मानने लगा था। स्वामी विवेकानंद की बातों और विचारों से एक विदेशी महिला इतनी प्रभावित हुई कि मन ही मन में उन्होंने स्वामी से शादी करने की ठान ली। वो हर दिन उनके बारे में ही सोचती रहती थी। उस महिला ने स्वामी से मिलने की भी बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कुछ समय बाद एक बार वह विदेशी महिला उस प्रोग्राम में पहुंच गई जहां स्वामी विवेकानंद भी मौजूद थे। वो बिना किसी डर के स्वामी के पास पहुंची और बिना किसी डर के कहा, मैं आपसे शादी करना चाहती हूं। महिला की मन की बात को सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि आखिर आप मुझसे ही शादी क्यों करना चाहती हैं। मुझमें ऐसा क्या आपने देखा है? स्वामी के सवाल का जवाब देते हुए उस विदेशी महिला ने कहा कि आपसे मैं बहुत प्रभावित हूं। आप बड़े ज्ञानी और गुणवान हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी बिल्कुल आपके जैसा ही हो। इसी वजह से मैं आपसे शादी करना चाह रही हूं। महिला की इस इच्छा को जानकर स्वामी ने महिला से कहा कि ऐसा होना असंभव है, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। फिर उन्होंने आगे कहा कि भले ही मैं आपसे शादी नहीं कर सकता, लेकिन आपकी इच्छा को पूरा कर सकता हूं। महिला ने स्वामी से पूछा कि वो कैसे होगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि आप मुझे ही अपना बेटा मान लीजिए और आपको मां मान लेता हूं। ऐसा करने से आपको मेरे जैसा ही बेटा मिल जाएगा। स्वामी विवेकानंद की बातों को सुनते ही महिला उनके पैरों पर गिर गई। उसने आगे कहा कि आप सचमुच बहुत बुद्धिमान हैं। मुझे आप पर गर्व है। ऐसा करके स्वामी विवेकानंद ने खुद को अच्छा पुरुष साबित किया और सच्चे पुरुषार्थ का उदाहरण दिया। असली पुरुषार्थ वही होता है जब पुरुष के मन में नारी के लिए मां जैसा सम्मान का भाव होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा।

वृषभ

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जल्दबाजी से हानि संभव है।

मिथुन
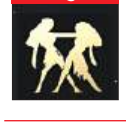
आज खासकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कर्क

व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह

स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

कन्या

किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक

निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

धनु

व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है।

मकर

कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ
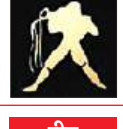
आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

मीन

बुद्धि का प्रयोग करें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | अॅपकमिंग

वैलेंटाइन डे पर रिलीज होगी यामी गौतम की धूम धाम

हंसी , प्यार और शादी की रस्मों से सजी फिल्म धूम धाम ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में यामी गौतम प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन ऋषभ सेठ ने किया है। फिल्म का प्रोडक्शन आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है। फिल्म 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाली है। यामी गौतम और प्रतीक गांधी की जोड़ी को फिल्म में देखा जाने वाला है। ये कहानी है कोयल और वीर की। वीर एक मम्मा बॉय है जो कि एक एनिमल डॉक्टर भी है। वहीं, यामी गौतम के किरदार कोयल चुलबुली सी लड़की है। फिल्म को लेकर आदित्य धर ने कहा कि वह कुछ अलग और मनोरंजक बनाना चाहते थे। जहां हंसी, एक्शन और रोमांस शामिल हो। फिल्म में फैंस को यामी और प्रतीक की जोड़ी देखने को मिलने वाली है। यामी गौतम और प्रतीक गांधी की फिल्म धूम धाम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ओरिजन फिल्म की निर्देशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, धूम धाम एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो शादी के दिन कुछ अलग सी ही चीजें लेकर आता है। इस फिल्म के जरिए हम अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकेंगे। नेटफ्लिक्स ने यह पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन लिखा है, हमें रिश्ते के लिए डीएम न करें, क्योंकि हमारी शादी धूम धाम से होने वाली है। पोस्टर में यामी गौतम की तस्वीर है, जिसमें वे पारंपरिक लुक में सिर पर चुनरिया ओढ़े नजर आ रही हैं। इसमें लिखा है, वर की तलाश! कोयल चड्ढा (मुंबई)। शादी की उम्र। संस्कारी, आध्यात्मिक और घरेलू युवती। एक सुशाली घर के वर की तलाश है। अगर मेरा डॉगी आपको पसंद करता है तो रिश्ता पक्का समझो।

माता-पिता ही अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं

आराध्या की परवरिश को लेकर बोले अभिषेक

बेटी की परवरिश और अपने निजी जीवन को लेकर अभिषेक बच्चन ने बात की है। उन्होंने कहा कि माता पिता हमेशा सबसे अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने पैरेंटिंग को लेकर अपना दृष्टिकोण पर विचार साझा किया। साथ ही उन्होंने युवा पीढ़ी की बदलती मानसिकता पर भी अपने विचार बताए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि माता-पिता सबसे अच्छे शिक्षक हैं या नहीं। मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मुझे लगता है कि हमारी भावनाएं आड़े आती हैं। हमारे बच्चों की यह इच्छा कि वे सब कुछ सही करें और सफल हों और खुद को चोट न पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। हम अपने बच्चों के लिए जो सोचते हैं, उससे उन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है। अभिषेक बच्चन ने कहा कि मैंने अपने माता-पिता से जो कुछ भी सीखा उसे समझा। वह उनके व्यवहार को देखकर है, जरूरी नहीं कि उन्होंने मुझे जो बताया है, उससे ही सीखा है। अभिषेक बच्चन ने कहा कि मेरे माता पिता ने हमेशा मुझे अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता दी। मैं खुद ये सोचता हूं, कि अगर परिस्थिति में मेरे पापा होते तो क्या करते। उसी हिसाब से मैं भी चीजें करता हूं। आराध्या की परवरिश को लेकर अभिषेक ने कहा, मुझे लगता है कि आज की जनरेशन वाकई बहुत अलग है। उन्हें किसी भी तरह की पहले से चली आ रही चीजों को जरूरी समझने की जरूरत नहीं है, जैसे हम करते आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे ये काम बस इसलिए नहीं कर सकते कि उनके माता पिता ने ये काम नहीं किया या मना किया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि अगर माता पिता हैं, या कोई उम्र में बड़ा है तो जरूरी नहीं कि वह सही सलाह दे या हर बात का सही जवाब ही दें। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन को हाल ही में आई फिल्म आई वांट टू टॉक में देखा गया। हालांकि, यह फिल्म फैंस पर अपना कुछ खास जादू नहीं चला सकी थी। आई वांट टू टॉक अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। इसकी घोषणा खुद सुजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की।

मैनिफेस्टेशन में यकीन नहीं रखतीं कंगना रनौत

बोलीं- लोग पहले फल की चिंता करते हैं, उसके बाद काम करते हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को लेकर अक्सर चर्चा हो रही है। कंगना ने कहा कि मेनिफेस्टेशन उनके लिए कुछ अच्छी चीज नहीं है। मैं इन सबमें नहीं मानती। कंगना ने कहा, पहले के लोग कहते थे कि काम करो फल की चिंता मत करो। अब लोग पहले फल को देखना चाहते हैं, उसके बाद में काम करते हैं। तो ये कैसा काम हुआ। हो सकता है कि आप जो अपने लिए सोच रहे हैं अच्छा न हो और मिल गया तो आपके लिए सही न हो, ऐसे में हमें सब छोड़ देना चाहिए। बस काम पर फोकस करना चाहिए। कंगना ने कहा कि सपने मैं देखती हूं, लेकिन खुली आंखों से, ये मेनिफेस्टेशन मैं नहीं करती। कंगना ने कहा, कि मैं जब आई तो मैंने कोई मेनिफेस्टेशन नहीं किया। मैंने उसके लिए काम किया। मैंने लेखन सीखने के लिए अमेरिका गई। मैंने अपने आप को और अच्छा बनाने के लिए एक्टिंग के साथ कुछ और चीजें भी ऐड ऑन कीं, उस पर मैं काम भी कर रही हूं, अब मेरे लिए क्या अच्छा है, इस बारे में भगवान खुद अपने हिसाब से अच्छा ही देगा। कंगना ने कहा कि अब ये मेरा काम नहीं है कि अब क्या होगा, जो होगा वो हमारे लिए अच्छा होगा। कंगना ने कहा कि भगवत गीता में कहा गया कि जो होगा सही होगा, जो नहीं देंगे वो भी सही होगा। श्रीकृष्ण भी कहते हैं कि जो हमारे लिए हो वो हमें भगवान अच्छा ही देंगे। कंगना ने कहा कि वे भगवान में मानती हैं लेकिन मैनिफेस्टेशन में नहीं मानती हैं। कंगना रनौत ने कहा कि चंदन सा बदन, पिया तोसे नैना लागे रे, फूलों के रंग से दिल की कलम से, धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना, रिम झिम गिरे सावन जैसे पुराने गाने सुनना पसंद करती हैं।

यहां बंदी बनाई गई हजारों साल पुरानी लाशें, कैदी की तरह रहने को मजबूर ममियां

किसी भी देश में पॉलिटिकल स्थिरता की काफी जरुरत होती है। अगर राजनितिक उठापटक हो जाए तो देश के हालत बिगने लगते हैं। इन दिनों ऐसी ही अस्थिरता से गुजर रहा है सूडान। इस देश पर पार्लियामेंट्री फाइटर्स अपना हक जताने के लिए लगातार अटैक कर रहे हैं। अब रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के सदस्यों ने यहां के म्यूजियम से कई ममियां चुरा ली है। इन ममियों की उम्र कई हजार साल पुरानी है। कुछ तो 2500 बीसी के हैं। यानी आज से 4522 साल पहले की। इन ममियों को बेहद सावधानी से हैंडल करने की जरुरत पड़ती है। इनकी स्टडी के बाद उस दौर की कई जानकारियां सामने आती हैं। इन ममियों को सावधानी से म्यूजियम में रखा गया था। लेकिन सत्ता को लेकर चल रही खींच-तान के बीच कुछ लोगों ने ममियों को कैद कर लिया है। इसके बाद से इतिहासकारों की जान सांसत में है। इन ममियों से कई इन्फॉर्मेशन मिल सकती हैं। लेकिन अगर इन्हें ठीक से नहीं रखा गया तो ये खराब होने के साथ टूट भी सकती हैं। ऐसी हालत में धरोहर का ही नुकसान होगा। बता दें कि सूडान में इन दिनों हालात ठीक नहीं हैं। पिछले सात हफ्ते से देश में ऋस्स आर्मी से सत्ता हथियाने के लिए जंग लड़ रहा है। इसी दौरान आंदोलनकारियों ने म्यूजियम पर धावा बोल दिया। ये म्यूजियम नील नदी के किनारे बना है। यहां लूटपाट के दौरान ममियों को भी कैदी बना लिया गया। ये ममियां सिर्फ इस देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए ख़ास है। इस वजह से इन्हें नुकसान ना पहुंचाने की अपील की गई।

अजब-गजब | इस गुड़िया को माना जाता था रहस्यमयी

अचानक हो जाती है गायब, इंसानों जैसे करती थी काम

बच्चों को डॉल्स के साथ खेलना बहुत पसंद होता है। छोटे बच्चे डॉल्स को अपने दोस्तों की तरह प्यार करते हैं, लेकिन कई बार ऐसी कहानियां भी सुनने को मिलती हैं जिनमें डॉल्स बच्चों की दोस्त नहीं होती, बल्कि वो इतनी खतरनाक होती हैं जिन्हें देखकर बड़े-बड़ों की रूह कांप जाए। ऐसी ही गुड़िया जिसने इंसानों को खूब डराया। फिल्मों में कई बार आपने भूतिया गुड़ियों को देखा होगा, लेकिन हकीकत में नहीं। लेकिन दुनिया में एक भूतिया गुड़िया है जिसे जिंदा माना जाता है। दरअसल, फिल्म एनाबेल क्रिएशन में इसके बारे में जो दिखाया गया है वो इस गुड़िया की सच्ची कहानी से अलग है। बता दें कि अमेरिकन लेखक जॉनि ग्रूएल ने सबसे पहले अपनी एक रचना में इसका जिक्र किया था। लेकिन सच ये है कि बेहद रहस्यमयी ढंग से ये डॉल उनकी जिंदगी में आई थी। दरअसल, बात उस वक्त की है जब लेखक जॉनि ग्रूएल बच्चों के लिए एक किताब की श्रृंखला की रचना करने जा रहे थे। उन्होंने रेजड़ी अन्न सीरीज नाम की एक किताब के साथ एनाबेले डॉल को मार्किट में लॉन्च किया। डॉल के पीछे छुपी अनोखी कहानी ने लोगों को इसे जानने के लिए मजबूर कर दिया। बात उस वक्त की है जब जॉनि ग्रूएल को अपनी घर के बैकयार्ड में यह डॉल मिली। जब उनकी बेटी मार्सेला पैदा हुई तो उसी डॉल से वो हर वक्त खेलती रहती थी। जॉनि ने जब अपनी बेटी को डॉल के साथ खेलते हुए देखा तो उन्हें रेजड़ी अन्न स्टोरीज लिखने का आइडिया आया। लेकिन 13 साल की उम्र में ही उनकी बेटी मार्सेल की मौत हो गई। उसकी मौत का कारण संक्रमित टीका बताया गया। मार्सेला की मौत के बाद जब रेजड़ी अन्न स्टोरीज को मार्केट में लाया गया तब उस डॉल का मॉडल भी बुक के कवर पेज पर छापा गया। ये मार्सेला को श्रद्धांजलि देने के कारण ही लॉन्च किया गया था। लेकिन मार्सेला की मौत के बाद असली एनाबेले डॉल जिससे मार्सेला खेला करती थी, वो अचानक घर से कहीं गायब हो गई। जिस रहस्यमयी ढंग से ये डॉल उस घर में आई थी ठीक वैसे ही वो वहां से लापता हो गई। किसी को नहीं पता था कि वह गुड़िया कहां गई। मार्सेला ने उसके बारे में पता लगाने की काफी कोशिश भी की लेकिन उसका पता नहीं चला और फिर एक दिन वो असली डॉल एक एंटीक शॉप में मिली। बताया जाता है कि 1970 में डोना नाम की एक नर्सिंग स्टूडेंट को उसकी मां ने ये डॉल गिफ्ट की थी। लेकिन डोना ने डॉल को पाने के बाद से ही उसमें कुछ अजीब चीजें नोटिस की। डोना ने देखा की डॉल अपने आप ही पोजीशन चेंज कर रही थी। कभी-कभी डोना डॉल को एक रूम में रखके कहीं बहार जाती थी तो वापस लौटने पर वह डॉल उसे वहां नहीं मिलती थी। तलाशने पर उसे वो गुड़िया घर के किसी दूसरे कोने मिलती। एक दिन डोने ने कमरे में लौटने के बाद देखा की डॉल के हाथ और पीठ पर खून के धब्बे लगे हुए हैं। ये सब देख वो बुरी तरह कांप गई। डोना को समझ आ गया कि उसके साथ कुछ बुरा हो रहा है।

दिल्ली में कांग्रेस उम्दा चुनाव लड़ रही है: सलमान खुर्शीद

» पूर्व केंद्रीय मंत्री का दावा- दिल्ली में बन सकती है कांग्रेस की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रर्दशन की उम्मीद जाहिर करते हुए कहा है कि कांग्रेस दिल्ली में बहुत अच्छा चुनाव लड़ रही है। उन्होंन कहा कि जनता को शीला दीक्षित की सरकार याद आ रही है। यदि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनती है तो वह जनहित में कार्य करेगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पर विपक्ष के सवालों पर कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

चुनाव परिणाम तय करते हैं कि कौन जीरो है और कौन नहीं। देखिए, शून्य और 100 में यह अंतर है कि एक हटा लीजिए तो शून्य अगर उसी में जीरो लगा दीजिए तो 100 हो जाता है। मैं समझता हूं कि चुनाव परिणाम आने दीजिए फिर इस पर बात करते हैं।

जनता को याद आ रही है शीला दीक्षित की सरकार

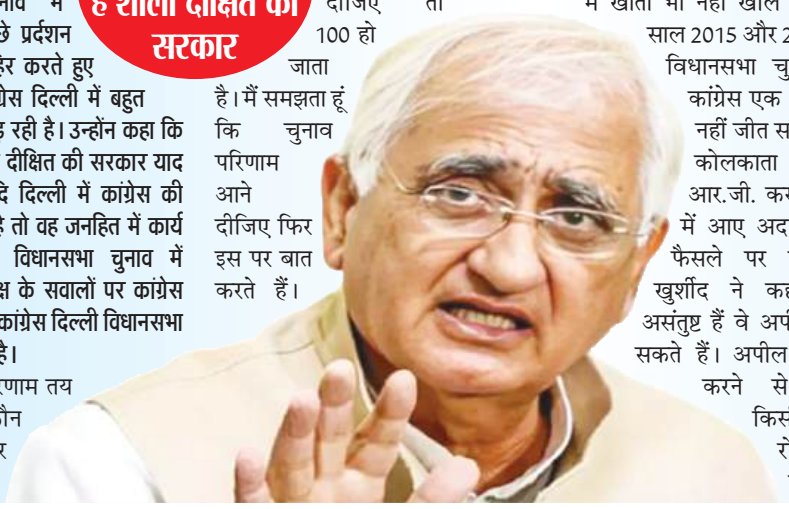

दरअसल, विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है कि इस चुनाव में कांग्रेस की भूमिका कुछ भी नहीं है क्योंकि एक दशक से कांग्रेस विधानसभा के चुनाव में खाता भी नहीं खोल पाई है। साल 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। कोलकाता के आर.जी. कर मामले में आए अदालत के फैसले पर सलमान खुर्शीद ने कहा, जो असंतुष्ट हैं वे अपील कर सकते हैं। अपील फाइल करने से कोई किसी को रोक नहीं सकता।

भाजपा का संकल्प पत्र पार्ट-2 जारी

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी कर दिया गया है। इस मौके पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कह कि हम दिल्ली के सरकारी शिक्षण संस्थानों में जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा देंगे।

केजरीवाल के बयान पर सचदेवा बरसे

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार सुबह कनॉट प्लेस के प्राचीन हनुमान मंदिर और दक्षिणमुख मंदिर में पूजा-अर्चना की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जिस प्रकार से रामायण की गलत व्याख्या और हमारे धर्म का अपमान करने की कोशिश अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई ये पहली बार नहीं है। ये अधर्मी लोग हैं। कल इन्होंने कहा है कि राक्षस सोने का हिरण बन कर आया था। ये अभी तक शीशमहल के गोल्ड प्लेटलेट सोने से बाहर नहीं आए हैं। आज हम यहां क्षमा मांगने आए हैं कि रामायण की गलत व्याख्या हुई है और हम आज उपवास करेंगे।

किसी को कटना नहीं चाहिए सभी को जुड़कर रहना चाहिए

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभाओं और बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान पर कांग्रेस नेता ने कहा, बिल्कुल कटना नहीं चाहिए। सभी को जुड़कर रहना चाहिए। हिंदू-मुस्लिम, सिख, ईसाई को मिलकर रहना चाहिए। हम सब एक साथ रहेंगे तो देश का कल्याण होगा। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार के लिए मैदान में होंगे। कहा जा रहा है कि उनकी 14 चुनावी सभाएं प्रस्तावित हैं।

मप्र में पटवारी के बयान के बाद मचा घमासान

» कांग्रेस में गुटबाजी को लेकर की थी टिप्पणी

» सारंग बोले- दिल की बात जुबां पर आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुटबाजी को लेकर दिए बयान पर सियासी जंग छिड़ गई है। दरअसल उन्होंने कांग्रेस पार्टी गुटबाजी को कैंसर बीमारी की तरह बताया है। जिस पर प्रदेश के खेल और युवा कल्याण मंत्री व भाजपा नेता विश्वास सारंग ने तंज कसते हुए कहा है कि अखिरकार दिल की बात जुबां पर आ गई है। जबिक कांग्रेस वरिष्ठ नेता राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा है पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। यह पटवारी का अपना विचार है। सारंग ने कहा कि मै तो पहले ही कहते आया हूं कि कांग्रेस गुट और गिरोह में बंटी हुई है। अब कांग्रेस के अध्यक्ष ने भी कह दिया। उन्होने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस में गुटबाजी का कैंसर हो गया है।

उन्होने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह समाप्त हो गई है। पटवारी ने मनावर में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि अब गुटबाजी छोड़कर कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए आगे बढ़ना होगा। कांग्रेस में गुटबाजी कैंसर की तरह हो गई है इसे समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर तक कांग्रेस के संगठन को मजबूत करना पड़ेगा। इसमें ग्राम पंचायत स्तर तक कांग्रेस कमेटी का गठन होना चाहिए। इस दौरान नेत प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। पटवारी ने कहा कि आने वाले 4 साल तक अगर कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता बिना छुट्टी लिए संगठन का काम करते हैं तो एमपी में आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार को सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता है।

अवैध मिट्टी खनन की सूचना पर हुई कार्रवाई

» जेसीबी के ड्राइवर ने की भागने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। बीते दिनों कस्बे से सटे दोस्तपुर देहात के गाटा संख्या 498 में जेसीबी ट्रैक्टर से अवैध मिट्टी खनन का कार्य चल रहा था। यह जमीन एक काश्तकार की बताई जा रही है। काश्तकार के पुत्र प्रवीण तिवारी ने मौके पर पहुंचकर मिट्टी खोदने का विरोध किया और जेसीबी चालक से खनन का परमिशन मांगा। जब चालक ने कोई जवाब नहीं दिया और उसने जेसीबी गाड़ी लेकर भागने की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने चालक को रोकने का प्रयास किया और तत्काल थाने पर सूचना दी।

इसके बाद, भाग रही जेसीबी को नेमपुर रोड पर कामतागंज बाजार मोड़ के पास

पकड़ने की कोशिश की गई, लेकिन ड्राइवर गाड़ी खड़ी कर फरार हो गया। पीड़ित की सूचना पर खनन विभाग सुल्तानपुर, नायब तहसीलदार कादीपुर और राजस्व निरीक्षक मय लेखपाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने खोदी गई जमीन का माप लिया और जेसीबी गाड़ी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। चालक द्वारा गाड़ी की चाभी लेकर फरार होने के कारण जेसीबी को वहीं छोड़ दिया गया। विभागीय कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग और खनन अधिकारी वहां से रवाना हो गए।

एएसआई के शपथ पत्र पर आपत्ति

» छोटे इमामबाड़े के जिर्णोद्धार का अदालत ने दिया था आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उच्च न्यायलय के आदेश से भारतीय पुरातत्व सर्वे ने छोटे इमामबाड़े के जिर्णोद्धार के लिए साढ़े छह करोड़ रुपये खर्च करने का शपथ दे दिया है। लेकिन उस मामले को उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ वकील मोहम्मद हैदर रिजवी ने इसपर आपत्ति जताई है।

ज्ञात हो कि लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत के रखरखाव, जीर्णोद्धार एवं अतिक्रमण मुक्ति के सम्बन्ध में दाखिल रिट याचिका (सय्यद मोहम्मद हैदर रिजवी बनाम केंद्र सरकार) न्यायालय के आदेश 7 जनवरी 2025 के क्रम में सुनवाई हेतु

सूचीबद्ध थी , जिसमें माननीय न्यायलय के द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वे से छोटे इमामबाड़े के दोनों गेटों का सर्वे कर उक्त गेटों के रखरखाव एवं मरम्मत में आने वाली लागत का एस्टीमेट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था एवंजिला प्रशासन को दोनों गेटों से अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराने हेतु निर्देश जारी किये थे।

प्रपत्र में नहीं दी गई स्पष्ट जानकारी : मोहम्मद हैदर रिजवी

भारतीय पुरातत्व सर्वे ने अपने शपथ पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि गेटों की मरम्मत का कार्य लखनऊ स्मार्ट सिटी के तत्वावधान में इंटेक कंजर्वेशन इंस्टीट्यूट, लखनऊ (न कि इंटैक जो कि इस सम्बन्ध में एक विशेषीकृत संस्था है) को दिया गया है , जिसकी लागत लगभग 6.54 करोड़ रुपये है। उक्त शपथ पत्र पर कड़ी आपत्ति करते हुए याचिकाकर्ता सय्यद मोहम्मद हैदर रिजवी ने बताया कि उक्त कार्य दिए जाने के प्रपत्र में न तो उक्त संस्था के द्वारा पूर्व में किये गए संरक्षण सम्बंधित कार्यों का विवरण दिया गया है और न ही यह अवगत कराया गया है कि वे कौन सी बाध्यताओं के साथ कार्य निष्पादित करेंगे (उदाहरण के रूप में सीमेंट का प्रयोग न करना, प्रशिक्षित टीम के माध्यम से कार्य कराना, पारम्परिक सामग्री का प्रयोग करना इत्यादि)। उक्त कार्यों की गुणवत्ता एवं उक्त दोनों गेटों की सही एवं नियमानुसार मरम्मत सुनिश्चित कराने हेतु भारतीय पुरातत्व सर्वे के माध्यम से एवं उनकी देखरेख एवं अनुरक्षण में प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय नीति 2014 के प्राविधानों के अनुसार पारम्परिक सामग्री यथा चूना, सुर्खी, दाल, गुड़, बेल इत्यादि के माध्यम से करवाए जाने का अनुरोध करते हुए उक्त शपथ पत्र पर आपत्तियां दाखिल करेंगे एवं न्यायलय के संज्ञान में ये तथ्य लाएंगे ।

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेलेंगे रोहित शर्मा

» रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम में यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। चैम्पियंस ट्रॉफी से ठीक पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल रणजी ट्रॉफी खेलते नजर आएंगे। रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम का ऐलान कर दिया गया है, जिसमें रोहित और यशस्वी को भी शामिल किया गया है। मुंबई टीम की कमान अजिंक्य रहाणे को सौंपी गई है। इस तरह हिटमैन रोहित अब रहाणे की कप्तानी में रणजी ट्रॉफी खेलेंगे। बता दें कि मुंबई टीम को अगला मैच 23 जनवरी से जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेलना है।

रोहित शर्मा के अलावा श्रेयस अय्यर को भी मुंबई के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। ऐसे में तीनों रणजी ट्रॉफी मैच में अपनी तैयारी को पुख्ता करेंगे। बता दें कि चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान मेजबानी में होगी। हिटमैन रोहित शर्मा 10 साल बाद रणजी ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2015 में यूपी के खिलाफ रणजी मुकाबला खेला था। हाल ही में चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम ऐलान हुआ था, तभी रोहित ने क्लियर कर दिया था कि वो रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे। बता दें कि मुंबई की टीम में रोहित, श्रेयस और यशस्वी के अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे और शार्दुल ठाकुर को भी शामिल किया गया है। हालांकि इन दोनों को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया में नहीं चुना गया है।

रेलवे के खिलाफ खेलेंगे कोहली

12 साल बाद घरेलू क्रिकेट में करेंगे वापसी

नई दिल्ली। विराट कोहली 2012 के बाद रणजी ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने 30 जनवरी से रेलवे के खिलाफ होने वाले दिल्ली के मुकाबले के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। बता दें कि, कोहली गर्दन में खिंचाव के कारण सौराष्ट्र के खिलाफ 23 जनवरी से शुरू होने वाले दिल्ली के आगामी मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्होंने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) को सूचित कर दिया है कि वह टीम के रणजी ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी मुकाबले में कोहली को गर्दन में हल्की चोट लगी थी। उनका हाल उस वक्त फिजियो ने जाना था। दिल्ली के मुख्य कोच सरनदीप सिंह ने कहा, विराट ने डीडीसीए अध्यक्ष (रोहन जेटली) और टीम प्रबंधन को बता दिया है कि वह रेलवे के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हार के बाद बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य किया था।

मेहनत आपकी, मुनाफा किसी और का : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष का मोदी सरकार पर वार

» बोले- गरीब और मिडिल क्लास का जीना मुहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को मोदी सरकार पर उसकी आर्थिक नीतियों को लेकर निशाना साधा। इसक साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि वास्तविक विकास तब है जब हर कोई प्रगति करे, व्यापार के लिए उचित माहौल हो, निष्पक्ष कर प्रणाली हो और श्रमिकों की आय बढ़े। राहुल ने एक्स पर लिखा कि मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाई, मेहनत आपकी, मुनाफा किसका? आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है, लेकिन क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है? जरा सोचिए।

राहुल ने दावा किया कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोज़गार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ग़लत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल की है। वे मुश्किल से अपना गुज़ारा कर पा रहे हैं। इसके साथ ही राहुल ने आगे लिखा कि पिछले पांच वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या कम हुई है।

सरकार पर हमला जारी रखते हुए नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि हानिकारक जीएसटी और इनकम टैक्स की मार ने ग़रीब और मिडिल क्लास का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट का कर्जा माफ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आसमान छूती महंगाई के कारण अब न सिर्फ़ ग़रीब बल्कि सैलरीड क्लास भी अपनी ज़रूरतों के लिए लोन लेने को मजबूर है। वास्तविक विकास वो है जहां सबकी उन्नति हो - बिज़नेस के लिए निष्पक्ष माहौल मिले, उचित टैक्स सिस्टम हो और श्रमिकों की आमदनी बढ़े। इससे ही देश समृद्ध और मजबूत बनेगा।

राजस्थान में पेंशन नहीं मिलने से लाखों लाभार्थी परेशान: गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुजुर्ग लाभार्थियों को पेंशन नहीं मिलने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे लाखों लाभार्थी परेशान हैं। उन्होंने झुंझुनूं में वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की एक खबर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, कृपया अपने हक के लिए आवाज नहीं उठाएं, राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सो रही है, उनकी नींद खराब हो जाएगी। गहलोत ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा, राजस्थान में हमारी सरकार ने न्यूनतम आय गारंटी कानून बनाया था जिसमें हर बुजुर्ग, दिव्यांग, विधवा इत्यादि को हर महीने पेंशन का अधिकार दिया गया है यानी राजस्थान सरकार इन श्रेणियों में शामिल लोगों को पेंशन देने के लिए बाध्य है।

उन्होंने कहा, परन्तु झुंझुनूं में पेंशन ना मिलने पर अपने हक की फरियाद रखने आए बुजुर्ग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ऐसे मामले में जहां पेंशन संबंधी कानून का पालन ना करवा पाने पर जिम्मेदार कार्मिकों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी वहां सरकार अपनी शिकायत दर्ज करवाने वाले बुजुर्ग को गिरफ्तार कर रही है।पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, राजस्थान में लाखों पेंशन लाभार्थी इसी तरह परेशान हैं क्योंकि उनकी पेंशन कई महीनों से नहीं आ रही है। संभवतः उन पर दबाव बनाने के लिए ऐसी कार्रवाई की गई है। गहलोत ने कहा, यह पेंशन इन सभी लोगों की आजीविका निर्वहन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर महीने पूरे राजस्थान में प्राथमिकता के आधार पर सभी पात्र लोगों को पेंशन मिले।

बिहार में राहुल के बयान से हुआ 250 रुपये का नुकसान अब कोर्ट पहुंचा शख्स

बिहार के एक निवासी ने स्थानीय अदालत में मामला दर्ज कराया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उसके दूध की एक बाल्टी गिरा दी, जिससे उसे 250 रुपये का नुकसान हुआ। यह विचित्र घटनाक्रम समस्तीपुर जिले में हुआ है, जहां शिकायतकर्ता मुकेश चौधरी ने दावा किया कि पिछले हफ्ते गांधी की भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ाई वाली टिप्पणी सुनकर उन्हें झटका लगा। इसके बाद उन्होंने कहास कि इतने सदमे में था कि मेरी पांच लीटर दूध से भरी बाल्टी, जिसकी कीमत 50 रुपये प्रति लीटर थी, मेरे हाथ से फिसल गई। चौधरी ने आरोप लगाया, राहुल गांधी देश की संप्रभुता को खतरे में डाल रहे हैं। सोनुपुर गांव के निवासी ने मीडिया को अपनी याचिका की एक प्रति भी दिखाई, जो रोसेरा उप-मंडल के सिविल कोर्ट में दायर की गई थी, जिसमें गांधी पर राजद्रोह से संबंधित धारा 152 सहित विभिन्न बीएनएस धाराओं के तहत मुकदमा चलाने की मांग की गई थी। यह ज्ञात नहीं था कि याचिका अदालत द्वारा स्वीकार की गई थी या नहीं।

शिवसेना में शिंदे के नेतृत्व को खत्म करने के फिराक में भाजपा : वडेट्टीवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कांग्रेस नेता ने लगाया आरोप

» संजय राउत का दावा- शिंदे गुट में हो रहा नए नेता का उदय

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्ष ने परोक्ष रूप से संकेत दिया कि राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत को भाजपा द्वारा शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे की जगह लेने के लिए तैयार किया जा रहा है। उदय सामंत सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ दावोस गए हैं। यह दावा करते हुए कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि भाजपा ने शिवसेना में शिंदे के नेतृत्व को खत्म करने का फैसला किया है। वडेट्टीवार ने कहा कि बीजेपी को अब शिंदे से कोई मतलब नहीं है। जैसे उन्होंने (बीजेपी) उद्धव ठाकरे को किनारे कर दिया और शिंदे को आगे कर दिया, उसी तरह अब एक नए उदय को आगे किया जाएगा।

हालांकि उन्होंने सामंत का नाम नहीं लिया, लेकिन यूबीटी सेना नेता संजय राउत आगे बढ़े और शिंदे को चुनौती देने वाले के रूप में सामंत का नाम लिया। राउत ने कहा कि भाजपा का काम अपने फायदे के लिए राजनीतिक दलों को खत्म करना है। सामंत को सीएम दावोस ले गए हैं। मुझे जानकारी है कि उनके (सामंत) के साथ 20 विधायक हैं। दरअसल, जब शिंदे सीएम पद के लिए नजरअंदाज किए जाने से नाराज थे तो बीजेपी की योजना सामंत के साथ जाने की थी। लेकिन, समय रहते शिंदे को इसकी भनक लग गई।

उदय सामंत ने दावों को किया खारिज : सामंत ने दावोस से एक बयान जारी कर दावों को खारिज कर दिया और कहा कि यह शिंदे और उनके बीच कलह पैदा करने का एक प्रयास था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य विनिर्माण से लेकर प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर, स्वास्थ्य सेवा से लेकर स्वच्छ ऊर्जा तक सभी क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए समग्र दृष्टिकोण से काम कर रहा है।

आरजी कर मामले में बंगाल सरकार की हाईकोर्ट से गुहार

» प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के दुष्कर्मी को मिले मौत की सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म और हत्या मामले में संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के सियालदह कोर्ट के फैसले के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया है। महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने संजय रॉय के लिए मौत की सजा की मांग करते हुए न्यायमूर्ति देबांगशु बसाक की खंडपीठ में याचिका दायर की है।

मामले को दायर करने की अनुमति दे दी गई है। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार को सियालदह कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति दे दी, जिसमें आरजी कर अस्पताल के डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले में संजय रॉय को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने मामले में एकमात्र दोषी रॉय को मृत्युदंड देने की मांग करने के लिए न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में

कोर्ट के फैसले से खुश नहीं थी ममता

आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की मौत मामले में आरोपी संजय राय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी असंतोष जाहिर किया था। उन्होंने कहा था कि यह दुर्लभतम अपराध था, इसमें दोषी को फांसी की सजा सुनाई जानी चाहिए थी। उन्होंने सोमवार को कहा था कि संजय राय की फांसी की मांग को लेकर बंगाल सरकार हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।

गरियाबंद मुठभेड़ में अब तक 20 नक्सली ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। गरियाबंद में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में आधिकारिक तौर पर अब तक 16 नक्सली ढेर हो गए हैं। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता मिली। अभी भी मुठभेड़ जारी है। मारे गए नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। इससे पूर्व बीजापुर में सुरक्षा बलों ने 18 नक्सलियों को मार गिराया था। सभी मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं।

रविवार सुबह से मंगलवार की सुबह तक रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है। गरियाबंद जिले के कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में कुल एक हजार से अधिक जवानों ने 60 से अधिक नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। यह मामला मैनपुर थाने इलाके का बताया जा रहा है।

सीएम का हेल्थ कार्ड जारी किया जाए : तेजस्वी

» राजद नेता बोले- साढ़े तीन आदमी चला रहे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा और तीखा वार किया है। कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के तहत औरंगाबाद आए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार नही बल्कि साढ़े तीन लोग सरकार चला रहे है। उन्होंने कहा कि सीएम से भी उपर सुपर सीएम है। वह सुपर सीएम डीके बॉस है। हालांकि, उन्होंने डीके बॉस के नाम का खुलासा करने से परहेज किया।

तेजस्वी सीएम पर हमला करने में इतने पर ही नही रूके। आगे उन्होने फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हेल्थ कार्ड जारी किए जाने की मांग की। कहा कि उम्र के एक पड़ाव पर शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ जाती है। ऐसी समस्याएं नीतीश कुमार के साथ भी है। अब वे सरकार चलाने के लिए फिट नही है। सीएम थक चुके है। थके हुए आदमी और रिटायर्ड अधिकारी से बिहार नही चलने वाला है। बिहार के लोगों ने उन्हे 20 साल मुख्यमंत्री के रूप में देख लिया। एक ही जमीन पर 20 साल तक एक ही ब्रांड का बीज डालने पर जमीन खराब हो जाता है। बिहार में नया बीज डालने की जरूरत है। इस जरूरत को जनता भी पहचान रही है क्योकि अब उनके पास कुछ करने का न तो स्टेमिना है, न विजन और न ही कोई ब्लू प्रिंट है। वें खुद ही कहते है कि अब बिहार में करने को कुछ बचा नही है। मतलब उनके पास कुछ करने की क्षमता ही नही बची है। इसी कारण वें ऐसा बोलते है। कहा कि बिहार के लिए करने के लिए तेजस्वी के पास बहुत कुछ ही नही सब कुछ है। इसीलिए जनता अब नीतीश कुमार को दूर करने वाली है और विधानसभा चुनाव में उनका दूर होना भी तय है।

जातीय सर्वे पर राहुल गांधी के हालिया बयान को सही

तेजस्वी ने राहुल गांधी के बिहार के जातीय सर्वे पर दिए गए बयान को सही ठहराया। कहा कि राहुल गांधी ने गलत क्या कहा है? जब जातीय सर्वे के आंकड़ों का राज्य सरकार कोई उपयोग ही नही कर रही है। सर्वे की रिपोर्ट को सरकार ने गतालखाते में डाल रखा है तो फिर सर्वे कराने के मायने ही क्या रह गए? राहुल गांधी ने इसी वजह से जातीय सर्वे पर सवाल उठाया है।

बिहार में राजद-कांग्रेस का गठबंधन बरकरार

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में राजद-कांग्रेस का गठबंधन आज भी बरकरार है। यह मिथ्या प्रचार किया जा रहा है कि गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक ही था। इस बात को वें सिरे से खारिज करते है। कांग्रेस से हमारा गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले से था, आज भी है और विधानसभा चुनाव में भी रहेगा। इसमें किंतु-परंतु की कही कोई गुंजाइश नही है।

राजद सभी जातियों ए टू जेड की पार्टी है

तेजस्वी ने औरंगाबाद के ओबरा थाना के बेल और मदनपुर के में हुई मॉब लीचिंग की घटनाओं को लेकर राजद द्वारा पीड़ितों के आंसू पोंछने नही जाने के सवाल पर अपनी ही पार्टी के नेताओं को नसीहत दी। कहा कि दोनों ही घटनाएं बेहद निंदनीय है। किसी भी घटना में जाति नही देखनी चाहिए। राजद सभी जातियों ए टू जेड की पार्टी है। इस नाते हमारी पार्टी के एमपी-एमएलए और अन्य सभी नेताओं को दोनों घटनाओं को लेकर पीड़ितों के गांव जाने चाहिए। पीड़ित परिवार के आंसू पोंछने चाहिए। शीघ्र ही हमारी पार्टी के नेता पीड़ितों से उनके गांव जाकर मिलेंगे और उन्हे न्याय दिलाने का काम करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।